

Surah Al-Fatiha

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

Bismillāhir-Raḥmānir-Raḥīm

In the name of Allah, the Most Gracious, the Most Merciful.

अल्लाह के नाम पर, जो अत्यंत दयालु, अत्यंत कृपालु है।



الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ

Al-ḥamdu lillāhi rabbil-‘ālamīn

All praise is due to Allah, Lord of all the worlds.

सारी प्रशंसा अल्लाह के लिए है, जो सारे विश्व का पालनहार है।



الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

Ar-Raḥmānir-Raḥīm

The Most Gracious, the Most Merciful.

अत्यंत दयालु, अत्यंत कृपालु।



مَلِكِ يَوْمِ الدِّينِ

Māliki yawmid-dīn

Master of the Day of Judgment.

न्याय के दिन का स्वामी।



إِيَّاكَ نَعْبُدُ وَإِيَّاكَ نَسْتَعِينُ

Iyyāka na‘budu wa iyyāka nasta‘in

You alone we worship, and You alone we ask for help.

हम केवल तेरी ही इबादत करते हैं, और केवल तुझी से मदद माँगते हैं।



أَهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيمَ

Ihdinaṣ-ṣirāṭal-mustaqīm

Guide us to the straight path.

हमें सीधे रास्ते पर मार्गदर्शन दे।



صِرَاطَ الَّذِينَ أَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ غَيْرِ الْمَغْضُوبِ عَلَيْهِمْ وَلَا
الضَّالِّينَ

Ṣirāṭal-ladhīna an‘amta ‘alayhim, ghayril-maghḍūbi ‘alayhim walaḍ-ḍāllīn

The path of those upon whom You have bestowed favor, not of those who have earned Your anger, nor of those who are astray.

उन लोगों का रास्ता जिन पर तूने अपनी कृपा की, न कि उन लोगों का जिन पर तेरा गुस्सा हुआ, और न ही उन लोगों का जो भटक गए।